

SECRET
EXCLUDED FROM DISSEM
DATE 11-11-11

SECRET
EXCLUDED FROM DISSEM
DATE 11-11-11



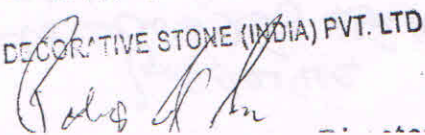
27-6-01



SECRET
EXCLUDED FROM DISSEM
DATE 11-11-11

11

SECRET
EXCLUDED FROM DISSEM
DATE 11-11-11



River Strong, Virginia, Feb. 1860.
 Empire State, No. 1000.

~~Sixteen thousand one hundred only~~

Achal Chandra Bora.

2. Nityananda Bora.

3. Anil Kumar Bora.

~~4.~~

~~5.~~

of Amalala
cultured Service



5364 27603

5365

হুজুর কুশার ব্রহ্ম

5366.

শ্রী নিউ গোল্ডেন হিল

1. 16/06/2022
 2. 16/06/2022
 3. 16/06/2022

Maaf k. maha
Maaf k. maha
Maaf k. maha
Maaf k. maha

Cell 12

Delia

27.6.03



১৯৮১ সালের ১০ মার্চ
শ্রীমন্ত শ্রীমন্ত শ্রীমন্ত
শ্রীমন্ত শ্রীমন্ত শ্রীমন্ত

কস্য ৪ নং বিধিতে রায়ুত দখলী সূত্রেয় খেরাজী জমি জমা যায় চাম্বা-
মায় যাবতীয় বৃক্ষাদি সহ
বাদে ব্যবহৃত ভাঙ্গা জমি জমা যায় যাবতীয় ইজমেন্ট সূত্রাদি সহ, নিঃসৃত্ত বিক্রয়
সহ কোবানাপত্র সিদং কার্য্যানুসারে ।

জেনা দক্ষিণ ২৪ পরগনা থানা ও এ, ডি, এস, আর, আফিস, বিষ্ণুপুর থানার
পশ্চিমবঙ্গ সরকার পক্ষে জেনা দক্ষিণ ২৪ পরগনার কালেকটর অধীনে পরগনা আয়জমা
বাদ ৩৯৫ নং চৌজীভুক্ত জে: এন: ৭৩ নং রে: সা: ১৪ নং যোজা আয়তনা প্রাপ্য
পুজাই ৮৫ নং খতিয়ানে ১-৩৬ শতক জমির কাত বার্ষিক ২০.০০ টাকা জমা জমির
মধ্যে ৮৪০ দাগে শালি জমি ৭২ শতক জমির আধেয় ১১. আনা অংশে ৩৬ শতক জমি
যাহা বিগত রিভিশন্যান স্টেটমেন্ট জরীপে আয়তনা সাকিমের সুরেন্দ্র নাথ মাজীর
পুত্র দুলাল চন্দ্র মাজীর সূত্রে দখলী সম্পত্তি থাকে । যাহা রিভিশন্যান স্টেটমেন্ট



স্বাক্ষরিত
শ্রী ১৫০৬/৬৬
১৫০৬/৬৬

জরীপে তাঁহার নামে চূড়ান্তরূপে রেকর্ড লিপিবদ্ধ হয়। উক্ত দুলাল চন্দ্র মাজী
তাঁহার উক্ত ৮৪০ দাগে ৭২ শতক আন্দরে ১১ আনা অংশে ৩৬ শতক জমিতে নিজ
খাসে চামাবাদের দ্বারা মালীকের নিরুপিত করা দি সন সন আদায় দিয়া অন্যের
বিনাশে নিঃস্বর্ত্ববাদে নিরাংশে ভোগবান ও দখলীকার থাকা অবস্থায় তিনি
বিগত ইংরাজী ১৫১২/১৯৬৯ তারিখে অত্র বিষ্ণুপুর সাবরেজিস্ট্রী আফিসে রেজিস্ট্রী -
কৃত ১ নং বহির ৮৮ নং ডায়েরীর ২৭৭ হইতে ২৭ পৃষ্ঠায় লিপিবদ্ধ ৮৭০৮ নং এক -
কেতা কোবালা দলিলের দ্বারা উক্ত ৮৪০ দাগে ৩৬ শতক জমি আমরা কোবালা
দাতা আমাদিগকে বিক্রয় করিয়া চিরতরে নিঃস্বর্ত্ব, স্ফূর্ত্বীন ও দখলচ্যুত হইলেন।
আমরা কোবালা দাতাগণ তদবধি আমাদের খরিদা উক্ত ৮৪০ দাগে ৭২ শতক মধ্যে
৩৬ শতক জমিতে এজমানে খাসে চামাবাদের দ্বারা মালীকের নিরুপিত করা দি সন

Sl. No. 22456 dt. 18.10.53
 Sold to Sri Smt. M/S. Deccan Stone (India) Pvt. Ltd.
 Address, Of: 14, Baseline Street, Kott. 700001.
 Rs. 1000/-
 Stamp Clerk
 Alipore Treasury, South 24 Pgs.



A

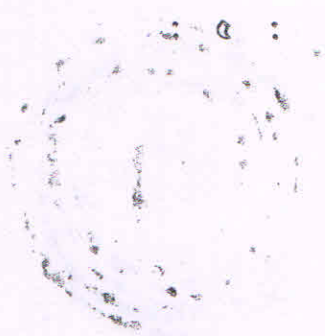
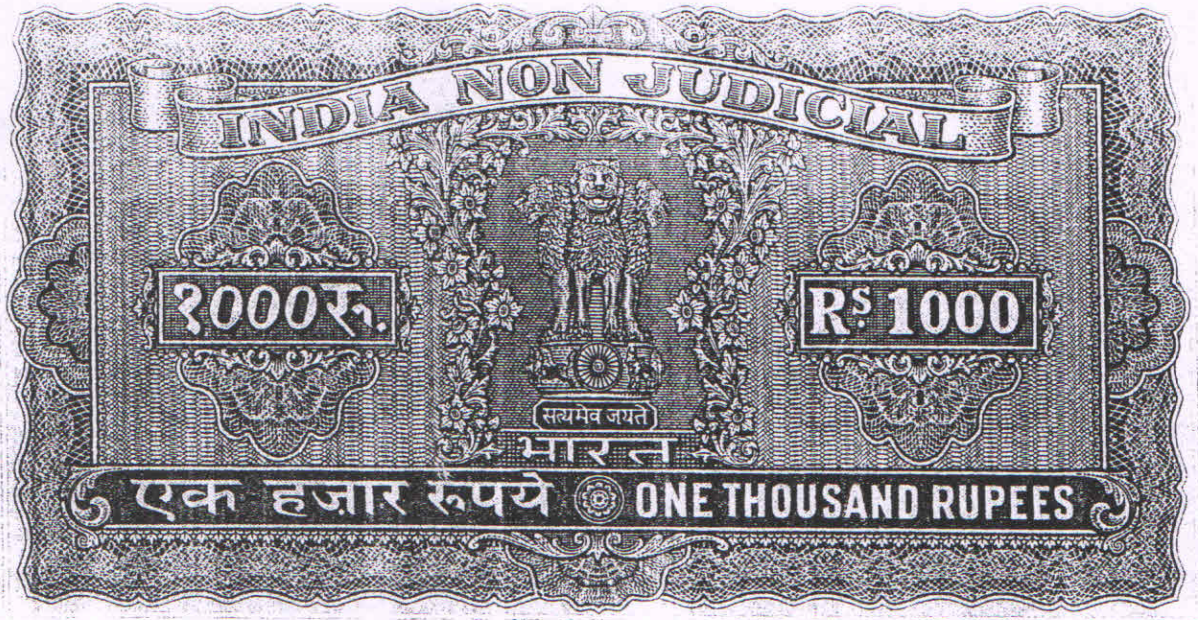
27603



স্বাক্ষরিত ১৯৮৭ খ্রিঃ
১৯৮৭ খ্রিঃ ১৯৮৭
১৯৮৭ খ্রিঃ ১৯৮৭

সন আদায় দিয়া অন্যের বিনাপত্তে নিবির্ববাদে নিরাংশে ভোগবান ও দখলীকার
আছি। বর্তমান হলকা জরীপে উক্ত সাবেক ৮৪৩ দাগের স্থলে নতুন ১৮৪৭ দাগে
ডাঙ্গা ৭২ শতক মধ্যে ৩৬ শতক জমি আমাদের নামে নতুন ১৪, ১২৪৫ ও ১১৯৮ নং
খতিয়ানে রেকর্ড হইয়াছে।

এনে আমরা কোবালা দাতা আমাদের নানাবিধ বৈধ ও ন্যায় সঙ্গত
কারণে নগদ অর্থের বিশেষ প্রয়োজন হওয়ায় উপরোক্ত ও নিম্ন উপলব্ধির বর্ণিত
ও অত্র দলিল সংলগ্ন নকসায় অংকিত লাল রং দ্বারা সীমাকৃত উক্ত
৮৪৩ দাগে যাপসুরত: ৩৬ শতক জমি জমা বিক্রয় করিবার ঘোষনা করিলে অত্র
কোবালা গ্রহীতা কোম্পানী উহা খরিদ করিতে সম্মত থাকায় বাজার দর চলিত
কালের সর্বোচ্চ মূল্য যাচাইমতে মোস্তাচুতি ৩,৮২,০০০.০০ টাকা য: তিন লক্ষ
বিরালী হাজার টাকা মূল্য ধার্য্য করিয়া ও উহা নিম্ন জায়গত অত্র কোবালা গ্রহীতা.



১০০০ টাকার
বিল
১০০০ টাকার
বিল
১০০০ টাকার
বিল

কোম্পানীর নিকট হইতে গ্রহন করিয়া ও জমি জমা ও কোবালা গ্রহীতা কোম্পানীর
নাম বরাবর বিক্রয় করিয়া চিরতরে নিঃস্বর্ত্ত মুক্তহীন ও দখলচ্যুত হইলাম । উক্ত
কিঞ্চিত জমি জমাতে কোবালা গ্রহীতা কোম্পানীকে অদ্যই দখলাদি দিয়া দিলাম ।
কোবালা গ্রহীতা কোম্পানী অদ্য হইতে উক্ত সম্পত্তিতে আমাদের যাবতীয় নিবন্ধ
স্বত্ত্ব সম্পূর্ণ মুক্তিবান ও দান বিক্রয় বন্ধক গুড়তি সর্ব প্রকার হস্তান্তর ও স্থগান্তর
আদির যালীক ও হকদার হইয়া যালিক সরকারে ও কোবালা গ্রহীতা কোম্পানীর
নাম পত্তনে খাজনাদি সরবরাহে পক্ষীয়তে ট্যাক্স আদি আদায় দিয়া শুল্ক পৌত্রাদি
যায় ওয়ারেশনগণ ক্রমে, উত্তরাধিকারীগণ ক্রমে ও স্থলাভিগতিগণ ক্রমে যদৃচ্ছায়ত
পরম সুখে ভোগ দখল করিতে থাকুন । তাহাতে আমরা কোবালা দাতা যায় ওয়ারেশ -
গণ ক্রমে কেহ কখনও কোন প্রকার গুজর আপত্তি বা দাবি দাওয়া করিতে পারিব না ।

10. No. 10200
 Sold to the
 for \$1000.00
 1000.00
 May 16/03
 J. H. P. T. Co., South 24th St.

12. 11. 1920. S. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846.



4

27.63